NEWSLETTER

GOLD : 56341
SILVER : 69420
CRUD OIL : 6458

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

14/01/2023

पिछले **2** साल से कॉटन इंडस्ट्री में जिनर्स के लिए कॉम्पीटिशन बहुत बढ़ गया है। कॉटन के भाव में इतनी तेजी से फेरबदल हो रहा है कि सारा गणित ही बिगड़ गया है। अब जिनर्स के पास केवल दो रास्ते बचे है या तो वे डिस्पेरिटी में काम करें या फिर अपनी फैक्ट्री ही बंद कर दें। और हो भी यही रहा है। वर्तमान में हरियाणा और राजस्थान की लगभग **30** प्रतिशत जिनिंग फैक्ट्री बंद हो चुकी है।

हरियाणा और राजस्थान की 30 प्रतिशत जिनिंग फैक्ट्री बंद

GINNING FACTORY

अनिश अग्रवाल (GINNER) / अटेली, हरियाणा।

कॉटन इंडस्ट्री के मौजूदा हालात दर्शाती यह बात कही हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के अटेली स्टेशन में जिनिंग फैक्ट्री चला रहे अनिश अग्रवाल ने। अनिश ने बताया कि 10 साल पहले उन्होंने सीए की प्रेक्टिस छोड़कर इस बिजनेस में कदम रखा था। चूंकि उनके स्टेशन पर कॉटन की पैदावार अच्छी है इसलिए इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं देखकर उन्होंने इसे चुना।

अप्रैल तक स्थिति सुधरने की उम्मीद

वे बताते है 16 डीआर की मेरी जिनिंग फैक्ट्री में रोजाना 350 क्विंटल कपास की जरूरत होती है जबकि इनदिनों हमें केवल 70-100 क्विंटल कपास ही रोज मिल पा रहा है। ऐसे में हम डिस्पेरिटी में काम करने को मजबूर है। हालांकि हमारा मानना है कि मार्च-अप्रैल 2023 तक स्थिति बहुत हद तक सुधर जाएंगी। क्योंकि एक अनुमान के मुताबिक तब तक 50 प्रतिशत जिनिंग शट डाउन हो जाएंगी। और नए सीजन की सोइंग से पहले किसान पुरानी फसल को मंडियों में जरूर लेकर आएंगें। इससे आवक बढ़ेगी और कॉम्पीटिशन भी कम होगा।

इंडस्ट्री के लिए संकट का है यह समय

आवक कम होने का कारण पूछने पर अनिशजी ने बताया कि धीमी आवक कुछ महीनों की परेशानी है। क्योंकि, इस बार क्रॉप पिछले साल की तुलना में बेहतर हुई है। इसलिए कुछ महीनों बाद ही सही आवक तो बढ़ेगी ही। अभी किसानों को उम्मीद है कि उन्हें ज्यादा भाव मिलेंगे और इसी उम्मीद में उन्होंने कपास रोक रखा है। लेकिन अप्रैल आते-आते उन्हें अपना माल बेचना ही होगा। हां, वर्तमान समय जरूर पूरे टेक्सटाइल उद्योग के लिए संकट का समय है।

किसान की आवाज

कपास की लागत हुई दोगुनी, स्टॉक करना किसान की मजबूरी

-शैलेंद्र सिंह
(KISAAN)
वाकानेर,मध्यप्रदेश

सक्षम किसान हमेशा ही अपनी फसल को अंत समय तक रोककर बेचते है लेकिन यदि मध्यमवर्गीय और छोटे किसान भी फसल को होल्ड कर रहे है तो यह उनकी मजबूरी ही है। जी हां, कपास किसानों के लिए फसल को रोकना उनकी मजबूरी हो गई है क्योंकि यदि वे कम कीमत में इसे बेचते है तो नुकसान ही उठाएंगे। कपास की लागत पिछले कुछ सालों में दो गुना बढ़ गई है। फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड और लेबर सभी कुछ बहुत महंगा हो चुका है ऐसे में कम कीमत में कपास बेच पाना किसान के लिए संभव ही नहीं है।

यह बात कही मध्यप्रदेश के वाकानेर गांव के किसान शैलेंद्र सिंह पंवार ने। पिछले 30 सालों से लगभग 25 एकड़ जमीन पर कपास की खेती कर रहे शैलेंद्र ने बताया कि इस साल कपास फसल औसत से कम हुई है। यह भी एक वजह है कि मंडी में कपास की आवक धीमी है।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के किसान पहले की तुलना में थोड़े सक्षम हुए है। किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा अब ज्यादातर किसान ले रहे है इसकी वजह से उन्हें नए सीजन की बोवनी के लिए पुरानी फसल को कम दामों पर बेचने के लिए विवश नहीं होना पड़ता। लोन सुविधा मिल जाने से वे अपनी फसल के लिए अच्छे दामों का इंतजार कर सकते है।

NEWSLETTER

BSE 60,261.18

DOWJONES 34,309.0

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

14/01/2023

टेक्सटाइल निवेशकों के लिए राहतभरा सप्ताह

9 से 14 जनवरी के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर एक नजर-

बीते सप्ताह की तुलना में यह सप्ताह टेक्सटाइल निवेशकों के लिए राहतभरा रहा। इस बार लगभग सभी प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स का मार्केट केप पॉजीटिव रहा। आइए जानते है बीएससी के मंच पर कैसी रही इन कंपनीज की परफॉर्मेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	316.6	325.7	305	2.21%
अरविंद लिमिटेड	89.05	91.2	86.6	2.24%
वेलसपन इंडिया	73.3	74.9	73	0.07%
नितिन स्पिनर्स	225.4	228.35	209.25	7.72%
रेमण्ड	1477	1496	1416	1.44%
अक्षिता कॉटन	54.25	54.25	46.45	15.30%

जनिए इस सप्ताह की कॉटन मार्केट की हलचल

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 14.01.2023

ICE COTTON			
MONTH	06.01.23	13.01.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	85.68	82.29	-3.39
MAY	85.65	82.6	-3.05
JULY	85.53	82.87	-2.66
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1687	1604	-83
NCDEX (COCUD KHAL)			
JAN	3117	3105	-12
FEB	2996	2894	-102
MARCH	2950	2812	-138
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.72	81.33	-1.39
PAK (Pakistani Rupee)	228.224	228.768	0.544
CNY (Chinese yuan)	6.83807	6.70556	-0.13251
BRAZIL (Real)	5.22579	5.069	-0.15679
AUSTRALIAN Dollar	1.45328	1.43231	-0.02097
MALAYSIAN RINGGITS	4.40299	4.33506	-0.06793
COTLOOK "A" INDEX	99.5	97.85	-1.65
BRAZIL COTTON INDEX	101.77	104.15	2.38
USDA SPOT RATE	84.64	80.9	-3.74
MCX SPOT RATE	30460	29680	-780
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	20000	2500

जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में कॉटन कीमतों में गिरावट का दौर बरकरार रहा। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर मार्च, मई और जून तीनों ही महीनों के लिए भाव में क्रमशः 3.39, 3.05 और 2.66 की कमी देखी गई है। विशेषज्ञों और व्यापारियों को उम्मीद है कि भाव में हो रही इस गिरावट से मार्केट की स्थिति सुधरेगी।

एनसीडीएक्स पर भी कपास के भाव गिरे है। सप्ताह की शुरूआत में कपास के भाव 1687 रूपए थे जो सप्ताहअंत पर 83 रूपए गिरकर 1604 रूपए हो गए। खल के भाव में भी इस सप्ताह कमी दर्ज की गई हैं जनवरी, फरवरी और मार्च माह के सौदों के लिए भाव क्रमशः 12,102 और 138 रूपए घटे है।

अन्य एक्सचेंज मार्केट में भी कॉटलुक ए इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर इस सप्ताह गिरावट देखने को मिली है। जबकि पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट और ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर भाव बढ़े है। करंसी वेल्यू पर नजर करें तो इस सप्ताह डॉलर ने केवल पाकिस्तानी रूपए पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है।

NEWSLETTER

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :
(WEATHER REPORT)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

14/01/2023

USDA

जनवरी माह में कपास की आपूर्ति और मांग अनुमान

जनवरी रिपोर्ट

इस महीने यू.एस. 2022/23 रिपोर्ट के अनुसार कपास उत्पादन 438,000 गांठ अधिक है, जो 14.7 मिलियन है, उपज रिकॉर्ड 947 पाउंड प्रति एकड़ है, जो दिसंबर के अनुमान से 9 प्रतिशत अधिक है। पूर्वानुमान में उच्च उत्पादन और अंतिम स्टॉक, यू.एस. मिल उपयोग में कोई बदलाव नहीं, और कम निर्यात शामिल हैं।

निर्यात 250,000 गांठ कम

इस महीने अनुमानित विश्व व्यापार और यूएस शेयर दोनों के साथ निर्यात 250,000 गांठ कम, 12.0 मिलियन होने का अनुमान है। अनुमानित उपयोग के 30 प्रतिशत के बराबर अंतिम स्टॉक 700,000 गांठ से 4.2 मिलियन तक है। अमेरिकी किसानों द्वारा इस महीने 83 सेंट प्रति पाउंड पर 2 सेंट कम होने का अनुमान है।

विश्व उत्पादन दिसंबर की तुलना में कम

विश्व 2022/23 के समाप्त होने वाले स्टॉक इस महीने 370,000 गांठ अधिक होने का अनुमान है क्योंकि खपत में कमी से कम उत्पादन ऑफसेट से अधिक है। विश्व उत्पादन दिसंबर की तुलना में 330,000 गांठ कम होने का अनुमान है, क्योंकि भारत में कम उत्पादन संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील में ऑफसेट लाभ से अधिक है। अनुमानित विश्व खपत इस महीने 850,000 गांठ कम है, जो 110.9 मिलियन गांठ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.7 प्रतिशत कम है।

भारत की खपत कम होने का अनुमान

दिसंबर आउटलुक की तुलना में, भारत की 2022/23 खपत इंडोनेशिया और वियतनाम के लिए छोटी गिरावट के साथ 500,000 गांठ कम होने का अनुमान है। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत और अर्जेंटीना से अनुमानित निर्यात में गिरावट के कारण अनुमानित विश्व व्यापार 600,000 गांठ से घटकर 41.7 मिलियन रह गया है। चीन, इंडोनेशिया और वियतनाम द्वारा आयात भी कम अनुमानित है।

RAYANCE
TECHNO GREENS INDUSTRIES

Address: C2, 100, Manu Prabha, N-4 CIDCO, Sector F-1,
Gurusahani Nagar, Aurangabad (M.H)-431003

info@rtgi.in www.rtgi.in 7201026177 / 7387917555

NEWSLETTER

GOLD : 1,923.35

SILVER : 24.415

BRENT OIL : 80.07

(IN DOLLARS)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

14/01/2023

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

अमेरिका में प्रतिबंधित है झिंजियांग कॉटन लेकिन ब्रांडेड गारमेंट अब भी कर रहे इस्तेमाल

झिंजियांग से आयात के लिए अमेरिका में पहले से ही कई प्रतिबंध हैं, लेकिन परिधान ब्रांड अभी भी इसका इस्तेमाल कर रहे है। जर्मन ब्रांड एडिडास, प्यूमा, जैक वोल्फस्किन, टॉम टेलर और ह्यूगो बॉस पर भी झिंजियांग-खेत कपास का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है।

कपास की आवक धीमी है क्योंकि उपज कम है

अलग-अलग राज्यों के किसानों ने कहा कि कपास स्टॉक नहीं किया है बल्कि इस सीजन उपज ही कम हुई है। इस बार मौसम की बार और रोग की वजह से राजस्थान में केवल 60 प्रतिशत क्रॉप ही आई है। हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी पैदावार कम ही है।

कपास कीमतों में आई गिरावट, की बड़ी वजह है चीन में कपास निर्यात पर रोक लगना

कोरोना के चलते केंद्र सरकार ने चीन को कपास के निर्यात पर रोक लगा दी है। जिससे स्थानीय बाजार में भी कपास के भाव में गिरावट आई है। पिछले 15 दिनों में इसकी कीमत में 1500 रुपये से 2000 रुपये तक की गिरावट देखी जा चुकी है।

निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए कपड़ा शुल्क में बदलाव कर सकती है सरकार

सरकार अगले महीने केंद्रीय बजट में 200 अरब डॉलर के भारतीय परिधान और कपड़ा क्षेत्र के लिए शुल्क संरचना में समायोजन की घोषणा कर सकती है, ताकि नकदी की तंगी वाले पश्चिमी बाजारों में भारतीय प्रतिस्पर्धा में सुधार हो सके।

पाकिस्तान में कपास के हाजिर भाव में फिर तेजी आई

कराची कॉटन एसोसिएशन (केसीए) की स्पॉट रेट कमेटी ने स्पॉट रेट में बढ़ोतरी की और इसे 20,000 रुपये प्रति मन पर बंद कर दिया। स्थानीय कपास बाजार मजबूत रहा और कारोबार की मात्रा कम रही। पंजाब में कपास की कीमत 18,000 रुपये से 21,000 रुपये प्रति मन है।

साप्ताहिक कॉटन फिजिकल मार्केट पर एक नजर

इस सप्ताह फिजिकल कॉटन मार्केट में खासी गिरावट दर्ज की गई है। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के दाम गिरे है। नार्थ झोन में हरियाणा में सबसे ज्यादा 100 रूपए प्रति मंड की गिरावट दर्ज की गई है। जबकि सेंट्रल झोन में एमपी और महाराष्ट्र में 1000 रूपए और गुजरात में 800 रूपए प्रति कैंडी तक भाव कम हुए है।

साप्ताहिक रिपोर्ट

साउथ झोन में सबसे ज्यादा गिरावट कर्नाटक में देखी गई। यहां सप्ताहअंत पर 2000 रूपए प्रति कैंडी भाव गिरकर कीमत 61,500 रूपए तक पहुंच गई। इसके अलावा उड़िसा और आंध्रपदेश में 1500 रूपए और तेलंगाना में 1300 रूपए की कमी आई है।

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 14.01.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	09.01.23		14.01.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,300	6,400	6,250	6,350	-50
HARYANA	27.5/28	6,250	6,400	6,150	6,300	-100
UPER RAJASTHAN	28	6,450	6,525	6,380	6,450	-75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,500	62,800	61,500	62,000	-800
MADHYA PRADESH	29	62,000	62,500	61,000	61,500	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	62,000	62,500	61,000	61,500	-1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	63,000	63,500	61,500	62,000	-1,500
KARNATAKA	29+	63,000	63,500	61,500	61,500	-2,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,500	61,500	62,000	-1,500
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	63,200	63,800	62,300	62,500	-1,300

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

GOLD : 56341

SILVER : 69420

CRUD OIL : 6458

Download Our App **"SIS CONNECT"** For Daily Updates. CLICK HERE

14/01/2023

Competition for ginners has increased a lot in the cotton industry since last 2 years. The price of cotton is ever fluctuating that all the calculation has gone wrong. Now only two options were left with the ginners, either they work in disparity or shut their factory and it has been so. Presently, about 30 percent ginning factories of Haryana and Rajasthan have been closed.

30 percent ginning factories of Haryana and Rajasthan were closed

GINNING FACTORY

Anish Agrawal (GINNER) / Ateli, Haryana.

Reflecting the present condition of the cotton industry, Anish Agarwal, who is running a ginning factory at Ateli station in Mahendragarh district of Haryana, said this. Anish told that 10 years ago he left the practice of CA and started this business. Since his station has the good yield of cotton crop, he chose this field for its immense potential.

Situation are expected to improve by April 2023

He said, my ginning factory have 16 DR's which requires 350 quintals of cotton daily whereas these days we are getting only 70-100 quintals of cotton daily. In such a situation, we are forced to work in disparity. However, we believe that by March-April 2023 the situation will improve to a great extent. Because according to an estimate, 50 percent of ginning will shut down by then. And before the sowing of the new season, the farmers will definitely bring the old crop to the mandis. This will increase the arrival and reduce the competition.

This is the time of crisis for the textile industry

When asked the reason for the low arrival, Anishji told that the slow arrival is a problem of few months. Because, this time the crop has been better than last year. That's why only after a few months the actual arrivals will definitely increase. Right now, the farmers are hopeful that they will get higher prices and, in this hope, they have stockpiled cotton. But by the time April comes, they will have to sell their goods. Yes, the present time is definitely a time of crisis for the entire textile industry.

Voice of The Farmer

Cotton's price doubled, forcing farmers to stock up.

-SHAILENDRA SINGH (KISAAN)
BAKANER, MADHYAPRADESH

Affluent farmers always sell their crop after holding it till the end, but if the middle and small class farmers are also holding the crop, then it is their helplessness. Yes, it has become the necessity for the cotton farmers to stop the crop because if they sell it at a low price then they will bear the loss. The cost of cotton farming has doubled in the last few years. Fertilizer, pesticide and labor have all become very expensive, so it is not possible for the farmer to sell cotton at a low price. Shailendra Singh Panwar, a farmer of Wakaner village of Madhya Pradesh said this.

Shailendra, who has been cultivating cotton on about 25 acres of land for the past 30 years, said that this year the cotton crop has been below average. This is also one of the reasons why the arrival of cotton in the market is slow.

He said, that the farmers of Madhya Pradesh have become a little capable as compared to earlier. Most of the farmers are now using the facility of Kisan Credit Card, due to which they are not forced to sell the old crop at low prices for sowing in new season. With the availability of loan facility, they can wait for good prices for their crops.

A relaxing week for textile investors

A look at the share value of major textile companies from January 9 to 14-

Compared to the previous week, this week was a relief for textile investors. This time the market cap of shares of almost all major textile companies remained positive. Let us know how the performance of these companies was on the stage of BSC-

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE IN %
VARDHMAN TEXTILE LTD	316.6	325.7	305	2.21%
ARVIND LTD	89.05	91.2	86.6	2.24%
WELSPUNG INDIA	73.3	74.9	73	0.07%
NITIN SPINNERS	225.4	228.35	209.25	7.72%
RAYMOND	1477	1496	1416	1.44%
AXITA COTTON	54.25	54.25	46.45	15.30%

Know the movement of this week`s cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 14.01.2023

ICE COTTON			
MONTH	06.01.23	13.01.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	85.68	82.29	-3.39
MAY	85.65	82.6	-3.05
JULY	85.53	82.87	-2.66
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1687	1604	-83
NCDEX (COCUD KHAL)			
JAN	3117	3105	-12
FEB	2996	2894	-102
MARCH	2950	2812	-138
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	82.72	81.33	-1.39
PAK (Pakistani Rupee)	228.224	228.768	0.544
CNY (Chinese yuan)	6.83807	6.70556	-0.13251
BRAZIL (Real)	5.22579	5.069	-0.15679
AUSTRALIAN Dollar	1.45328	1.43231	-0.02097
MALAYSIAN RINGGITS	4.40299	4.33506	-0.06793
COTLOOK "A" INDEX	99.5	97.85	-1.65
BRAZIL COTTON INDEX	101.77	104.15	2.38
USDA SPOT RATE	84.64	80.9	-3.74
MCX SPOT RATE	30460	29680	-780
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	20000	2500

The market is expected to improve as cotton prices fall

Know the movement of this week`s cotton market

The downward trend in cotton prices continued through the second week of January. On the International Cotton Exchange, prices fell by 3.39, 3.05 and 2.66 in all three months of March, May and June respectively. Experts and traders hope this price drop will improve market conditions.

Cotton prices have also fallen on NCDX. Cotton opened at rupees 1,687 before declining by rupees 83 to rupees 1,604 over the weekend. Khal prices also fell this week. Prices dropped by Rs.12, Rs.102 and Rs.138 respectively for January, February and March offerings.

Other exchange markets like Cotlook A Index, USDA spot rate and MCX spot rate have also shown the decline trend in this week. While prices have increased on Pakistan's KCA spot rate and Brazil Cotton Index. If you look at the currency value, this week the dollar has maintained its lead only against the Pakistani rupee.

USDA

World Agricultural Supply and Demand Estimates

JANUARY REPORT

COTTON: This month's U.S. 2022/23 cotton forecasts include higher production and ending stocks, no change in U.S. mill use, and lower exports. Production is 438,000 bales higher, at 14.7 million, with yield at a record 947 pounds per acre, up 9 percent from the December estimate.

Exports are forecast 250,000 bales lower, at 12.0 million, with both projected world trade and the U.S. share slightly lower this month. Ending stocks are up 700,000 bales to 4.2 million, equal to 30 percent of projected use. The upland season-average price received
by U.S. farmers is projected 2 cents lower this month at 83 cents per pound.

World 2022/23 ending stocks are forecast 370,000 bales higher this month as lower production is more than offset by a reduction in consumption. World production is forecast 330,000 bales lower than it was in December as lower production in India more than offsets gains in the United States and Brazil. Projected world consumption is 850,000 bales lower this month, at 110.9 million bales, a 5.7-percent decline from the previous year.

Compared with the December outlook, India's 2022/23 consumption is forecast 500,000 bales lower, with smaller declines for Indonesia and Vietnam. Projected world trade is down 600,000 bales, to 41.7 million, as projected exports from the United States, India, and Argentina decline. Imports by China, Indonesia, and Vietnam are also projected lower.

RAYANCE
TECHNO GREENS INDUSTRIES

Address: C2, 100, Manu Prabha, N-4 CIDCO, Sector F-1,
Gurusahani Nagar, Aurangabad (M.H)-431003

info@rtgi.in www.rtgi.in 7201026177 / 7387917555

NEWSLETTER

GOLD : 1,923.35

SILVER : 24.415

BRENT OIL : 80.07

(IN DOLLARS)

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

14/01/2023

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Xinjiang cotton is banned in America but branded garments are still in use.

The US already has several restrictions on imports from Xinjiang, but apparel brands are still using it. German brands such as Adidas, Puma, Jack Wolfskin, Tom Taylor and Hugo Boss have also been accused of using Xinjiang -farmed cotton.

Cotton arrivals slow as yield is low

Farmers of different states said that cotton has not been stocked, but this season the yeild is less. This time only 60 percent crop has arrived in Rajasthan due to bad weather and disease. Other states suh as Haryana, Maharashtra and Madhya Pradesh are also affected with less yeild.

The major reason for the fall in cotton prices is "cotton export ban in china"

Due to Corona, the central government has banned the export of cotton made for China, due to which the price of cotton has also suffered downfall in the local markets. In the last 15 days, its price has decreased from Rs 1500 to Rs 2000.

Government may change textile duty to increase export competitiveness

The government is likely to announce adjustments in the duty structure of Indian Apparel and Textile Sector for around $200 billion in the Union Budget next month to improve India's competitiveness in cash-strapped western markets.

Spot price of cotton rises again in Pakistan

The spot rate committee of the Karachi Cotton Association (KCA) hiked the spot rate and capped it at Rs 20,000 per head. The local cotton market remained strong with low trading volumes. The cost of cotton in Punjab ranges from Rs 18,000 to Rs 21,000 per Mund.

A look at the weekly cotton physical market

A significant decline has been recorded in the physical cotton market this week. Cotton prices have fallen in all the three zones North, Central and South. In the north zone, Haryana has recorded the maximum decline of Rs 100 per mund. While in the central zone, the prices have come down to Rs 1000 in MP and Maharashtra and Rs 800 per candy in Gujarat.

weekly report

The maximum decline in South Zone was observed in Karnataka. Here, at the end of the week, the price dropped by Rs 2,000 per candy and reached Rs 61,500. Apart from this, there has been a decrease of Rs 1500 in Orissa and Andhra Pradesh and Rs 1300 in Telangana

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77771 - 5

DATE: 14.01.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	09.01.23		14.01.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,300	6,400	6,250	6,350	-50
HARYANA	27.5/28	6,250	6,400	6,150	6,300	-100
UPER RAJASTHAN	28	6,450	6,525	6,380	6,450	-75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,500	62,800	61,500	62,000	-800
MADHYA PRADESH	29	62,000	62,500	61,000	61,500	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	62,000	62,500	61,000	61,500	-1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	63,000	63,500	61,500	62,000	-1,500
KARNATAKA	29+	63,000	63,500	61,500	61,500	-2,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,500	61,500	62,000	-1,500
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	63,200	63,800	62,300	62,500	-1,300

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy